

॥ श्रीगायत्री शाप विमोचनम् ॥

.. shrI gAyatrI shApa vimochanam ..

sanskritdocuments.org

April 10, 2015

# Document Information

Text title : gaayatrii shaapavimochana

File name : shapavimochana.itx

Location : doc\_devii

Author : Traditional

Language : Sanskrit

Subject : philosophy/hinduism/religion

Transliterated by : Ravisankar S. Mayavaram msr at comco.com

Proofread by : Ravisankar S. Mayavaram msr at comco.com

Latest update : August 23, 2000

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

Site access : <http://sanskritdocuments.org>

---

# ॥ श्रीगायत्री शाप विमोचनम् ॥

---

## ॥ श्रीगायत्री शाप विमोचनम् ॥

शाप मुक्ता हि गायत्री चतुर्वर्ग फल प्रदा ।

अशाप मुक्ता गायत्री चतुर्वर्ग फलान्तका ॥

ॐ अस्य श्री गायत्री । ब्रह्मशाप विमोचन मन्त्रस्य ।

ब्रह्मा ऋषिः । गायत्री छन्दः ।

भुक्ति मुक्तिप्रदा ब्रह्मशाप विमोचनी गायत्री शक्तिः देवता ।

ब्रह्म शाप विमोचनार्थं जपे विनियोगः ॥

ॐ गायत्री ब्रह्मेत्युपासीत यद्रूपं ब्रह्मविदो विदुः । तां

पश्यन्ति धीराः सुमनसां वाचग्रतः । ॐ वेदान्त नाथाय

विद्महे हिरण्यगर्भाय धीमही । तन्नो ब्रह्म प्रचोदयात् । ॐ

गायत्री त्वं ब्रह्म शापत् विमुक्ता भव ॥

ॐ अस्य श्री वसिष्ठ शाप विमोचन मन्त्रस्य

निग्रह अनुग्रह कर्ता वसिष्ठ ऋषिः ।

विश्वोद्भव गायत्री छन्दः ।

वसिष्ठ अनुग्रहिता गायत्री शक्तिः देवता ।

वसिष्ठ शाप विमोचनार्थं जपे विनियोगः ॥

ॐ सोहं अर्कमयं ज्योतिरहं शिव आत्म ज्योतिरहं शुक्रः सर्व

ज्योतिरसः अस्म्यहं ।

(इति युक्तव योनि मुद्रां प्रदर्श्य गायत्री त्रयं पदित्व ) ।

ॐ देवी गायत्री त्वं वसिष्ठ शापत् विमुक्तो भव ॥

ॐ अस्य श्री विश्वामित्र शाप विमोचन मन्त्रस्य

नूतन सृष्टि कर्ता विश्वामित्र ऋषिः ।

वाग्देहा गायत्री छन्दः ।

विश्वामित्र अनुग्रहिता गायत्री शक्तिः देवता ।

विश्वामित्र शाप विमोचनार्थं जपे विनियोगः ॥

ॐ गायत्री भजांयन्नि मुखीं विश्वगर्भा यदुद्भवाः

देवाश्चक्रिरे विश्वसृष्टिं तां कल्याणीं इष्टकरीं  
 प्रपद्ये । यन्मुखान्निसृतो अखिलवेद गर्भः । शाप युक्ता  
 तु गायत्री सफला न कदाचन । शापत् उत्तरीत  
 सा तु मुक्ति भुक्ति फल प्रदा ॥

प्रार्थना ॥

ब्रह्मरूपिणी गायत्री दिव्ये सन्ध्ये सरस्वती । अजरे अमरे चैव  
 ब्रह्मयोने नमोऽस्तुते । ब्रह्म शापत् विमुक्ता भव । वसिष्ठ  
 शापत् विमुक्ता भव । विश्वामित्र शापत् विमुक्ता भव ॥

Encoded by Ravisankar S. Mayavaram

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of any website or individuals or for commercial purpose without permission.

---

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

---

.. shrI gAyatrI shApa vimochanam ..  
 was typeset on April 10, 2015

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)